मलाकी

1 परमेश्वर का सन्देश। यह सन्देश यहोवा का है। इस सन्देश को मलाकी ने इस्राएल को दिया।

परमेश्वर इस्राएल से प्रेम करता है

2यहोवा ने कहा, "लोगों, मैं तुमसे प्रेम करता हूँ।" किन्तु तुमने कहा, "कैसे पता चले कि तू हमसे प्रेम करता है?"

यहोवा ने कहा, "एसाव याकूब का भाई था। ठीक? किन्तु मैंने याकूब को चुना 3और मैंने एसाव को स्वीकार नहीं किया। मैंने एसाव के पहाड़ी प्रदेश को नष्ट किया। एसाव का देश नष्ट किया गया और अब वहाँ केवल जंगली कुत्ते रहते हैं।"

4संभव है एदोम के लोग कहे, "हम नष्ट किये गए। किन्तु हम अपने नगरों को पुन: बनाएंगे।"

किन्तु सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "यदि वे उन नगरों को पुन: बनाते हैं तो मैं उन्हें पुन: नष्ट करूँगा!" इसलिए लोग एदोम को बुरा देश कहते हैं। लोग कहते है कि यहोवा उन लोगों से सदा के लिये घृणा करता है।

5लोगों, तुमने यह सब देखा और कहा, "इस्राएल के बाहर भी यहोवा महान है।"

ये याजक परमेश्वर को सम्मान नहीं देते

6सर्वशक्तिमान यहोवा ने कहा, "बच्चे अपने पिता का सम्मान करते हैं। सेवक अपने स्वामियों का सम्मान करते हैं। मैं तुम्हारा पिता हूँ, अत: तुम मेरा सम्मान क्यों नहीं करते? मैं तुम्हारा स्वामी हूँ, अत: तुम मेरा सम्मान क्यों नहीं करते? याजकों, तुम मेरे नाम का सम्मान नहीं करते।"

किन्तु तुम कहते हो, "हमने क्या किया है, जो प्रकट करता है कि हम तेरे नाम का सम्मान नहीं करते?"

7यहोवा ने कहा, "तुम मेरी वेदी पर अशुद्ध रोटी लाते हो!"

किन्तु तुम कहते हो, "वह रोटी अशुद्ध कैसे हैं?"

यहोवा ने कहा, "तुम मेरी मेज (वेदी) का सम्मान नहीं करते। 8तुम अन्धे जानवर बलि के लिये लाते हो और यह गलत है। तुम बलि के लिये रोगी और विकलांग जानवर लाते हो। यह गलत हैं! तुम अपने शासक को उन रोगी जानवरों को भेंट देने का प्रयत्न करो। क्या वह उन जानवरों को भेंट के रूप में स्वीकार करेगा? नहीं! वह उन भेंटों को स्वीकार नहीं करेगा!" सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब कहता है!

9"याजकों, तुम्हें यहोवा से हमारे लिए अच्छा बने रहने की प्रार्थना करनी चाहिये। किन्तु वह तुम्हारी नहीं सुनेगा और यह सारा दोष तुम्हारा है।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।

10"निश्चय ही, तुम लोगों में से कोई याजक तो मंदिर के द्वारों को बन्द करता और आग ठीक-ठीक जलाता। सो मैं तुम लोगों से प्रसन्न नहीं हूँ। मैं तुम्हारी भेंट स्वीकार नहीं करूँगा।" सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब कहता है।

11"संसार में सर्वत्र लोग मेरे नाम का सम्मान करते हैं। संसार में सर्वत्र लोग मेरे लिये अच्छी भेंटे लाते हैं। वे अच्छी सुगन्धि मेरी भेंट के रूप में जलाते हैं। क्यों? क्योंकि मेरा नाम उन सभी लोगों के लिये महत्वपूर्ण है।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।

12"किन्तु लोगों, तुम यह प्रकट करते हो कि तुम मेरे नाम का सम्मान नहीं करते। तुम कहते हो कि यहोवा की मेज (वेदी) पवित्र नहीं है 13और तुम उस मेज से भोजन लेना पसन्द नहीं करते। तुम भोजन को सूंघते हो और उसे खाने से इन्कार करते हो। तुम कहते हो कि यह बुरा हैं। किन्तु यह सत्य नहीं है। तुम रोगी, विकलांग और चोट खाये जानवर मेरे लिये लाते हो। तुम रोगी जानवरों को मुझे बलि के रूप में भेंट करने का प्रयत्न करते हो। किन्तु मैं तुमसे उन रोगी जानवरों को स्वीकार नहीं करूँगा। 14कुछ लोगों के पास अच्छे नर-जानवर हैं, जिसे वे बलि के रूप में दे सकते हैं। किन्तु वे उन अच्छे जानवरों को मुझे नहीं देते। कुछ लोग मेरे पास अच्छे जानवर लाते हैं। वे उन स्वस्थ जानवरों को मुझे देने की प्रतिज्ञा करते हैं। किन्तु वे गुप्त रूप से उन अच्छे जानवरों को बदल देते हैं और मुझे रोगी जानवर देते हैं। उन लोगों के साथ बुरा घटेगा! मैं महान राजा हूँ। तुम्हें मेरा सम्मान करना चाहिये! संसार में सर्वत्र लोग मेरा सम्मान करते हैं!" सर्वशक्तिमान यहोवा ने वह सब कहा!

याजकों के लिये नियम

2 "याजकों, यह नियम तुम्हारे लिये हैं! मेरी सुनो! जो मैं कहता हूँ उस पर ध्यान दो। मेरे नाम का सम्मान करो! 2यदि तुम मेरे नाम का सम्मान नहीं करते तो तुम्हारे साथ बुरा घटित होगा। तुम आशीर्वाद दोगे, किन्तु वे अभिशाप बनेंगे। मैं बुरा घटित कराऊँगा क्योंकि तुम मेरे नाम का सम्मान नहीं करते!" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।

3"देखो, मैं तुम्हारे वंशजों को दण्ड दूँगा। याजकों, तुम पवित्र दिनों को मुझे बलि-भेंट करते हो। तुम गोबर और मरे जानवर की अंतड़ियों को लेते हो और उन भागों को फेंक देते हो। किन्तु मैं उस गोबर को तुम्हारे चेहरों पर मलूंगा और तुम इसके साथ फेंक दिये जाओगे! 4तब तुम समझोगे कि मैं तुम्हें यह आदेश क्यों दे रहा हूँ? मैं तुमको ये बातें इसलिये बता रहा हूँ कि लेवी के साथ मेरी वाचा चलती रहेगी।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।" 5यहोवा ने कहा, "मैंने यह वाचा लेवी के साथ की। मैंने उसे शान्तिपूर्ण जीवन देने की प्रतिज्ञा की और मैंने उसे वह दिया। लेवी ने मुझे सम्मान दिया। उसने मेरे नाम को सम्मान दिया! 6लेवी ने सच्ची शिक्षा दी। लेवी ने झूठे उपदेश नहीं दिये! लेवी ईमानदार और शान्तिप्रिय व्यक्ति था। लेवी ने मेरा अनुसरण किया और अनेक व्यक्तियों को पाप कर्मों से बचाया। 7याजक को परमेश्वर के उपदेशों को जानना चाहिए। लोगों को याजक के पास जाने योग्य होना चाहिये और परमेश्वर की शिक्षा को सीखना चाहिए। याजक को लोगों के लिये परमेश्वर का दूत होना चाहिए।"

8यहोवा ने कहा, "याजकों, तुमने मेरा अनुसरण करना छोड़ दिया! तुमने शिक्षाओं का उपयोग लोगो से बुरा काम कराने के लिये किया। तुमने लेवी के साथ किए गए वाचा को भ्रष्ट किया!" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा! 9"तुम उस तरह नहीं रहे जैसा रहने को मैंने कहा! तुमने हमारी शिक्षाओं को स्वीकार नहीं किया हैं! अत: मैं तुम्हें महत्वहीन बनाऊँगा, लोग तुम्हारा सम्मान नहीं करेंगे।"

यहूदा परमेश्वर के प्रति सच्चा नहीं रहा

10हम सब का एक ही पिता (परमेश्वर) है। उसी परमेश्वर ने हम सभी को बनाया! अत: लोग अपने भाईयों को क्यों ठगते हैं? वे लोग प्रकट करते हैं कि वे वाचा का सम्मान नहीं करते। वे उस वाचा का सम्मान नहीं करते जिसे हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर के साथ किया। 11यहूदा के लोगों ने अन्य लोगों को ठगा। यरूशलेम और इस्राएल के लोगों ने भयंकर काम किये! यहूदा के निवासियों ने यहोवा के पवित्र मंदिर का सम्मान नहीं किया। परमेश्वर उस स्थान से प्रेम करता है। यहूदा के लोगों ने उन विदेशी स्त्रियों से विवाह किए जो झूठे देवों की पूजा किया करती थी! 12यहोवा उन लोगों को यहूदा के परिवार से दूर कर देगा। वे लोग यहोवा के पास भेंट ला सकते हैं, किन्तु उससे कोई सहायता नहीं मिलेगी। 13तुम रो सकते हो और यहोवा की वेदी को आंसुओं से ढक सकते हो, किन्तु यहोवा तुम्हारी भेंट स्वीकार नहीं करेगा। यहोवा उन चीजों से प्रसन्न नहीं होगा, जिन्हें तुम उसके पास लाओगे।

14तुम पूछते हो, "हमारी भेंटे यहोवा द्वारा स्वीकार क्यों नहीं की जातीं?" क्यों? क्योंकि यहोवा ने तुम्हारे किये बुरे कामों को देखा, वह तुम्हारे विरुद्ध साक्षी है। उसने देखा कि तुम अपनी पत्नी को ठगते हो। तुम उस स्त्री के साथ तब से विवाहित हो जबसे तुम जवान हुए थे। वह तुम्हारी प्रेयसी थी। तब तुमने परस्पर प्रतिज्ञा की और वह तुम्हारी पत्नी हो गई। किन्तु तुमने उसे ठगा। 15परमेश्वर चाहता है कि पति और पत्नी एक शरीर और एक आत्मा हो जायें। क्यों? जिससे उनके बच्चे पवित्र हों। अत: उस आध्यात्मिक एकता की रक्षा करो। अपनी पत्नी को न ठगो। वह तुम्हारी पत्नी तब से है जब से तुम युवक हुए।

16इस्राएल का परमेश्वर यहोवा कहता है, "मैं विवाह-विच्छेद से घृणा करता हूँ। मैं पुरुषों के क्रूर कामों से घृणा करता हूँ। अत: अपनी आत्मिक एकता की सुरक्षा करो। अपनी पत्नी को धोखा मत दो।"

न्याय का विशेष समय

17तुमने गलत शिक्षा दी है। और उन गलत शिक्षाओं ने यहोवा को बहुत अधिक दु:खी किया है। तुमने यह शिक्षा दी कि परमेश्वर उन्हें पसन्द करता है जो बुरे काम करते हैं। तुमने कहा कि परमेश्वर उन्हें अच्छे लोग समझता है और तुमने यह शिक्षा दी कि परमेश्वर लोगों को बुरा काम करने के लिये दण्ड नहीं देता।

3 सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "देखों मैं अपना दूत भेज रहा हूँ। वह मेरे लिए मार्ग तैयार करेगा। यहोवा जिसकी खोज में तुम हो, वह अचानक अपने मंदिर में आयेगा। वाचा का संदेशवाहक सचमुच आ रहा है।"

2"कोई व्यक्ति उस समय के लिये तैयारी नहीं कर सकता। कोई व्यक्ति उसके विरुद्ध खड़ा नहीं हो सकता, जब वह आयेगा। वह जलती आग के समान होगा। वह उस अच्छी रेह की तरह होंगा जिसे लोग चीजों को स्वच्छ करने के लिये उपयोग में लाते हैं। 3वह लेवीवंशियों को पवित्र करेगा। वह उन्हें ऐसे ही शुद्ध करेगा जैसे आग चांदी को शुद्ध करती है! वह उन्हें शुद्ध सोना और चाँदी के समान बनाएगा। तब वे यहोवा को भेंट लाएंगे और वे उन कामों को ठीक ढंग से करेंगे। 4तब यहोवा यहुदा और यरूशलेम में भेंटे स्वीकार करेगा। यह बीते काल के समान होगा। यह पुराने लम्बे समय की तरह

होगा। 5तब मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तब मैं ठीक काम करूँगा। मैं उस गवाह की तरह होऊँगा जो लोगों द्वारा किये गए बुरे कामों के बारे में न्यायाधीश से कहता है। कुछ लोग बुरे जादू करते हैं। कुछ लोग व्यभिचार का पाप करते हैं। कुछ लोग झूठी प्रतिज्ञायें करते हैं। कुछ लोग अपने मजदूरों को ठगते हैं–वे अपनी वाचा की गई रकम नहीं देते। लोग विधवाओं और अनाथों की सहायता नहीं करते। लोग अजनबियों की सहायता नहीं करते। लोग मेरा सम्मान नहीं करते!" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।

परमेश्वर के यहाँ से चोरी

6"मैं यहोवा हूँ, और मैं बदलता नहीं। तुम याकूब की सन्तान हो, और तुम पूरी तरह नष्ट नहीं किये गए। 7किन्तु तुमने मेरे नियमों का कभी पालन नहीं किया। यहाँ तक कि तुम्हारे पूर्वजों ने भी मेरा अनुसरण करना बन्द कर दिया। मेरे पास वापस लौटो और मैं तुम्हारे पास वापस लौटूँगा।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा। तुम कहते हो, "हम वापस कैसे लौट सकते हैं?"

8परमेश्वर को लूटना बन्द करो! लोगों को परमेश्वर की चीजें नहीं चुरानी चाहियें किन्तु तुमने मेरी चीजेंचुराई!" तू पूछता हैं, "हमने तेरा क्या चुराया?"

"तुम्हें मुझको अपनी चीज़ों का दसवां भाग देना चाहिये था। तुम्हें मुझे विशेष भेंट देनी चाहिये थी। किन्तु तुमने वे चीज़ें मुझे नहीं दीं। 9इस प्रकार तुम्हारे पूरे राष्ट्र ने मेरी चीज़ें चुराई हैं। इस से बुरी घटनायें तुम्हारे साथ घट रही हैं।" सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब कहता है।

10सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "इस परीक्षा की जांच करो। अपनी चीजों का दसवां भाग मुझको लाओ। उन चीजों को खज़ाने में रखो। मेरे घर भोजन लाओ। मुझे परख कर तो देखो। तुम यदि उन कामों को करोगे तो मैं, सच ही, तुम्हें आशीर्वाद दूँगा। तुम्हारे पास अच्छी चीज़ें वैसे ही हो जाएंगी जैसे गगन से वर्षा होती हैं। तुम हर चीज आवश्यकता से अधिक पाओगे। 11मैं कीड़ों को तुम्हारी फसलों को नष्ट नहीं करने दूँगा। तुम्हारी अंगूर की सभी बेलें अंगूर उपजाएंगी।" सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब कहता है।

12"अन्य राष्ट्रों के लोग तुम्हारे प्रति भले रहेंगे। तुम्हारा देश सचमुच आश्चर्यजनक देश होगा।" सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब सकता है।

न्याय का विशेष समय

13यहोवा कहता है, "तुमने मुझसे ओछी बातें कहीं।" किन्तु तुम पूछते हो, "हमने तेरे बारे में क्या कहा?"

14"तुमने कहा, 'यहोवा की उपासना व्यर्थ हैं। हमने वे काम किये जो यहोवा ने करने को कहे, किन्तु हम लोगों को कुछ भी नहीं मिला। हम अपने पापों के लिये वैसे ही दुखी रहे जैसे मैयत में रोते लोग। किन्तु इससे कुछ काम नहीं निकला। 15हम समझते रहे कि गर्वीलें लोग सुखी रहते हैं। दुष्ट लोग सफल होते हैं। वे परमेश्वर के धैर्य की परीक्षा करने के लिये बुरे काम करते हैं, और परमेश्वर उन्हें दण्ड नहीं देता।'" 16परमेश्वर के भक्तों ने आपस में बातें कीं और यहोवा ने उनकी सुनी। उसके सामने एक पुस्तक हैं। उस पुस्तक में परमेश्वर के भक्तों के नाम हैं। वे ही लोग है जो यहोवा के नाम का सम्मान करते हैं।

17यहोवा ने कहा, "वे लोग मेरे हैं। मैं उन पर कृपालु रहूंगा। व्यक्ति अपने उन बच्चों पर अधिक कृपालु रहता है जो उसके आज्ञाकारी होते हैं। उसी प्रकार मैं अपने भक्तों पर कृपालु रहूंगा। 18लोगों, तुम मेरे पास वापस लौटोगे और तुम अच्छे और बुरे का अन्तर समझोगे। तुम परमेश्वर के भक्त और जो भक्त नहीं हैं उसके बीच के अन्तर को समझोगे।

4 "न्याय का समय आ रहा है। यह गर्म भट्टी–सा होगा। वे सभी गर्वीलें व्यक्ति दण्डित होंगे। वे सभी पापी लोग सूखी घास की तरह जलेंगे। उस समय वे आग में ऐसी जलती झाड़ी–से होंगे जिसकी कोई शाखा याजड़ बची नहीं रहेगी।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा।

2"किन्तु, मेरे भक्तों, तुम पर अच्छाई उगते सूरज के समान चमकेगी और यह सूरज की किरणों की तरह स्वास्थ्यवर्धक शक्ति देगी। तुम ऐसे ही स्वतन्त्र और प्रसन्न होओगे जैसे अपने बाड़े से स्वतन्त्र हुए बछड़े। 3तब तुम उन बुरे लोगों को कुचलोगे, वे तुम्हारे पैरों के नीचे की राख–से होंगे। मैं न्याय के समय इन घटनाओं को घटित कराऊँगा।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा!

4"मूसा की व्यवस्था को याद करो और पालन करो। मूसा मेरा सेवक था। मैंने होरेब (सिनाइ) पर्वत पर उन विधियों और नियमों को उसे दिया। वे नियम इस्राएल के सभी लोगों के लिये हैं।"

5यहोवा ने कहा, "देखो, मैं नबी एलिय्याह को तुम्हारे पास भेजूँगा। वह यहोवा के यहाँ से उस महान और भयंकर न्याय के समय से पहले आएगा। 6एलिय्याह माता–पिता को अपने बच्चों के समीप होने में सहायता करेगा। यह अवश्य घटित होगा, या मैं (परमेश्वर) आऊँगा और तुम्हारे देश को पूरी तरह नष्ट कर दूँगा!"

Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.

Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)
© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.

Bible League International
1 Bible League Plaza
Crete, IL 60417, USA
Phone: 866–825–4636
Email: permissions@bibleleague.org
Web: www.bibleleague.org

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0 **B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2**
B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6 **B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8**

Free downloads: www.bibleleague.org/downloads